



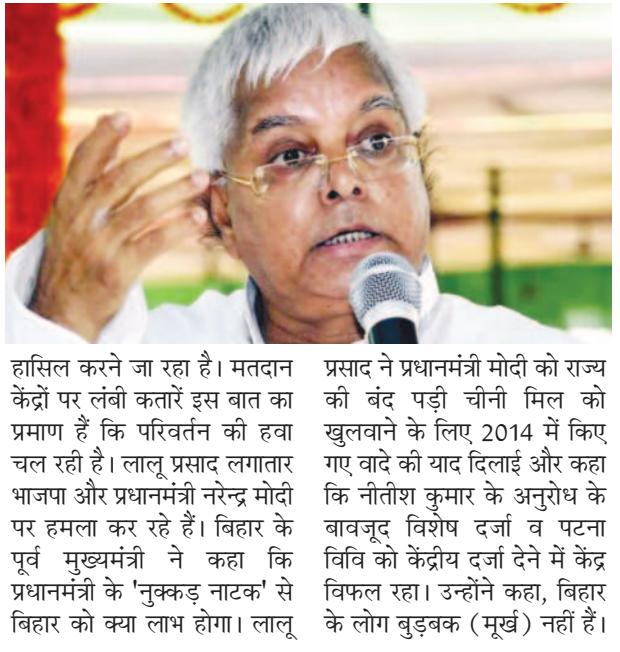




# लिख लीजिए, 4 जून को पीएम मोदी जा रहे लालू यादव बोले- इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी

पटना, 28 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को पक्ष और विपक्ष में आरोप का दौर जारी है। रिजल्ल 4 जून को आ रहा है। विहार 7 चरण में मतदान हो रहा है और 6 फेस का मतदान हो गया और अंतिम चरण 1 जून को है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बड़ा हमला किया है। लालू प्रसाद यादव ने पटना में कहा कि हमें जल्द ही नदीजे पात चल जाएंगे। पीएम मोदी अब चले जाएंगे। एनडीए की सरकार जाएगी और इंडीया गठबंधन की सरकार बनेगी।

पीएम मोदी कह रहे हैं कि वह जैविक नहीं है, वह एक 'अवतार' है। विहार में हमारा गठबंधन जीत



## विहार कांग्रेस प्रमुख ने नेहरू को दे दिया 'विकास' का क्रेडिट, नए बयान से सियासी हलचल तेज

पटना, 28 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस लागातार विहार में लोगों को अपने मुख्य से भुनाने में लगा है। सातवें चरण का मतदान 1 जून को है। ऐसे में गहलू गांधी समेत देश के तमाम बड़े नेताओं ने विहार में मोर्चा सभा लिया है। इस बीच, विहार कांग्रेस के प्रमुख ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित नेहरू की प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित नेहरू बहुअंगमी विक्रित्या वाले दूरदर्शी जानता थे। वे ऐसे देशभक्त थे, जिन्होंने संघर्ष कर देश को दासता से मुक्ति दिलाई और फिर भारत के नवनिर्माण की नींव भी डाली। आज जो भारत की तरह है, उसकी लकीर पीड़ित नेहरू ने खोंची थी। वे बातें विहार इकई, पावर स्टेशन, सड़क, कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ। अखिलेश प्रसाद सिंह ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पीड़ित नेहरू के बाद लालू

प्रधानमंत्री के विकास को बोला कर्तव्य किया।

## मुरादाबाद-अमरोहा में सीएल गुप्ता एक्सपोर्ट के ठिकानों पर आईटी रेड

### इलेक्शन इयूटी स्टीकर लगाकर पहुंचीं गांधियां, 500 करोड़ का सालाना टर्नओवर

मुरादाबाद, 28 मई (एजेंसियां)। मुरादाबाद और अमरोहा के जाने माने एक्सपोर्टर सीएल गुप्ता एक्सपोर्ट के ठिकानों पर इनकम टैक्स की बड़ी रेड है। इनकम टैक्स की टीमें इलेक्शन इयूटी लिखे स्टीकर गांधियों पर लगाकर मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं। कर्नवाई इतनी गोपाली थी कि स्थानीय प्रशासन को भी सुबह 9 बजे इसकी भ्रष्टता की खबर 9

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं। आपको कर्नवाई इतनी गोपाली थी कि उसका बोलना नहीं होता था, लेकिन उसका बोलना नहीं होता था। इनकम टैक्स की टीमें इलेक्शन इयूटी लिखे स्टीकर गांधियों पर लगाकर

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड़के 5 बजे सीएल गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचीं।

मंगलवार तड

# 3 जून तक दृष्टि दृष्टि नौतपा

मंगल-राहु के अंगारक योग से तपेगी धरती, मंगल पर शनि की दृष्टि से अग्निकांड की आशंका भी



रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के अने पर 25 मई से नौतपा शुक्र हो गया है। इस नक्षत्र के शुरुआती नौ दिन तक तापमान बढ़ता है इसले इसे नौतपा कहते हैं। नौतपा 3 जून तक रहेगा। और राहु की युति बनी रहेगी। इस अंगारक योग के कारण इन दिनों गर्मी बढ़ सकती है। 1 जून को मंगल अग्नि तत्व वाली अपनी ही राशि में भी में आ जाएगा। मंगल पर शनि की दृष्टि रहेगी।

**कुंडली में है पातक कालसर्प दोष, पहुंचाता है बहुत कष्ट**



ज्योतिष शास्त्र में कालसर्प दोष को बहुत ही कष्टकारी और दोष उत्पन्न करने वाला योग माना जाता है। कहा जाता है कि जिस व्यक्ति की कुंडली में कालसर्प दोष होता है, उसका जीवन संघर्षों से भरा होता है। हालांकि, कालसर्प दोष कई प्रकार के होते हैं, जिनमें से एक पातक कालसर्प दोष है।

**क्या होता है पातक कालसर्प दोष**

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु और केतु के बीच सभी ग्रह होते हैं तो ऐसे कुंडली में कालसर्प दोष का निर्माण हो जाता है। इसके अलावा जब कुंडली के चतुर्थ भाव में केतु और 10वें भाव में राहु विराजमान हो जाते हैं और इन दोनों के बीच सभी शुभ और अशुभ ग्रह उपस्थित होते हैं तो इस स्थिति में कुंडली पर पातक कालसर्प दोष बन जाता है।

**पातक कालसर्प दोष का जीवन पर प्रभाव**

-यदि किसी व्यक्ति को बार-बार नींद से भारी पर रहता है तो यह पातक कालसर्प दोष का प्रभाव है।

-जिस व्यक्ति की कुंडली में पातक काल सर्प दोष होता है ऐसे व्यक्ति को अक्सर सप्तने में मृत लोग दिखाई देते हैं।

-जिस व्यक्ति को कालसर्प दोष होता है उसे अपने जीवन में आर्थिक और शारीरिक परेशानी का भी सामना करना पड़ता है।

-अगर किसी की कुंडली में कालसर्प दोष होता है तो ऐसे व्यक्ति की अपने परिवार वालों से नहीं बनती और बहसबाजी होती ही।

-कालसर्प दोष के कारण व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से भी काफी परेशान रहता है।

1. यदि किसी व्यक्ति को पातक काल सर्पदोष होता है तो उसे प्रदोष तिथि के दिन शिव मंत्रिर में रुद्राभिषेक करना चाहिए।

2. इसके अलावा व्यक्ति को नियमित रूप से अपने कुलदेवता की आराधना करनी चाहिए।

3. नियमित रूप से रोजाना महामूल्यन्य मंत्र का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए।

4. पातक कालसर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति को अपने घर में मोरपंख रखना लाभकारी होता है।

5. इसके अलावा ज्योतिष पातक कालसर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति को इसके निवारण के लिए अंक्रेब और महाकालेश्वर मंदिर में पूजा करने की सलाह दी जाती है। ये दोनों स्थान पातक कालसर्प होने की पूजा के लिए श्रेष्ठ माने जाते हैं।

आपने कई लोगों को कछुए की देखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस अंगूठी को पहनने से व्यक्ति को माता लक्ष्मी की असीम कृपा की प्राप्ति हो सकती है। जिससे व्यक्ति को आर्थिक तंगी का समान नहीं करना पड़ता। लेकिन इसे धारण करने से पहले कुछ नियमों का ध्यान रखना भी जरूरी है। कछुए की अंगूठी पहनने वाले व्यक्ति को यह पता होना चाहिए कि कछुए मात्र लक्ष्मी का प्रतीक है। इसके लिए इसे धारण करने वाले व्यक्ति को इसके नियम अवश्य पालन करना होगा तभी वह उनके जीवन में लाभदायक सावित होगा, उन्होंने वाया कि सबसे पहले इसे पहनने

## 31 मई से इन 5 दाशिवालों की बढ़ सकती है मुसीबतें बुध गोचर से बढ़े शत्रु, कर्ज, खराब सेहत करेगी परेशान!

ग्रहों के राजकुमार कहे जाने वाले बुध की राशि परिवर्तन 31 मई को दोपहर 12:00 पूर्ण रात्रि तक रहेगा। बुध ग्रह में लिंगलकरन वृषभ राशि में 31 मई से लेकर 14 जून तक विराजमान रहेगा। ये 15 दिन 5 राशि के जातकों के लिए परेशानी वाले हो सकते हैं। श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के अनुसार, बुध के इस गोचर का दुष्प्राप्ति मिथुन, तुला समेत 5 राशियों पर होगा। बुध के दुष्प्राप्ति के कारण इनको सेहत खारब हो सकती है, दब का रिक्षशन हो सकता है, शत्रु बढ़ सकते हैं या जो है, वे परेशान करेंगे। आइए जानें

बुध वृषभ में बुध गोचर का राशियों पर क्या अशुभ प्रभाव होता है?

बुध गोचर से बढ़े गए 5 राशिवालों की मुसीबतें!

मिथुन: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होगा।

ग्रहों के लिए अपको राशियों पर रहने से भारी सावधान रहना होता है।

श्रुति: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

मृग: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

वृश्चिक: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

अन्य जातकों को बुध वृषभ में बुध गोचर का राशियों पर क्या अशुभ प्रभाव होता है?

बुध गोचर से बढ़े गए 5 राशिवालों की मुसीबतें!

मिथुन: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होगा।

ग्रहों के लिए अपको राशियों पर रहने से भारी सावधान रहना होता है।

श्रुति: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

मृग: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

वृश्चिक: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

अन्य जातकों को बुध वृषभ में बुध गोचर का राशियों पर क्या अशुभ प्रभाव होता है?

बुध गोचर से बढ़े गए 5 राशिवालों की मुसीबतें!

मिथुन: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

ग्रहों के लिए अपको राशियों पर रहने से भारी सावधान रहना होता है।

श्रुति: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

मृग: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

वृश्चिक: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

अन्य जातकों को बुध वृषभ में बुध गोचर का राशियों पर क्या अशुभ प्रभाव होता है?

बुध गोचर से बढ़े गए 5 राशिवालों की मुसीबतें!

मिथुन: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

ग्रहों के लिए अपको राशियों पर रहने से भारी सावधान रहना होता है।

श्रुति: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

मृग: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

वृश्चिक: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

अन्य जातकों को बुध वृषभ में बुध गोचर का राशियों पर क्या अशुभ प्रभाव होता है?

बुध गोचर से बढ़े गए 5 राशिवालों की मुसीबतें!

मिथुन: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

ग्रहों के लिए अपको राशियों पर रहने से भारी सावधान रहना होता है।

श्रुति: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

मृग: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

वृश्चिक: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

अन्य जातकों को बुध वृषभ में बुध गोचर का राशियों पर क्या अशुभ प्रभाव होता है?

बुध गोचर से बढ़े गए 5 राशिवालों की मुसीबतें!

मिथुन: बुध राशि में बुध के प्रवश करने से अपकी राशि लोगों को सावधान रहना होता है।

ग्रहों के लिए

## धधकती आग में जलते नियम

देश का अधिकांश भाग गर्मी की तपन से बेहाल है। यदि ऐसी गर्मी में ही गुजरात के राजकोट के गेम जोन से लेकर दिल्ली के बेबी केयर सेंटर तक आग लगी हुई है तो इस पर सिस्टम और सरकारी नियम-कानूनों पर अंगुली उठना स्वाभाविक है। आखिर क्या वजह है कि राजकोट में वर्षों से बिना परमिशन चल रहे गेम ज़ोन की किसी ने सुध तक नहीं ली। कोफ्त तो तब हो रही है जब यह कहा जा रहा है कि इस तरह से तो कई गेम ज़ोन हैं जो बिना परमिशन के चल रहे हैं। यही हाल देश की राजधानी दिल्ली की भी है जहां बेबी केयर भी बिना लाइसेंस के चलाए जा रहे हैं। जिसमें आग लगी वहाँ तो केवल पाँच बच्चों को रखा जा सकता था, लेकिन उक्त सेंटर में 12 बच्चों को ठूंस रखा गया था। इन दो घटनाओं ने तेज और भीषण गर्मी ने तमाम लापरवाहियों को उजागर कर दिया है। राजस्थान भी गर्मी की चपेट में बुरी तरह तप रहा है। पिछले पाँच दिनों में यहाँ लू लगने से तीस लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद प्रशासन और सरकार कुछ भी मानने को तैयार नहीं है। देखा जाए तो यही सरकार की नीति भी है कि मौत किसी भी तरह कितनी भी हो जाए उसे नजरंदाज करने के लिए तरह-तरह के बहाने खोज लिए जाते हैं। सरकारें कोई बात आसानी से मान जाएगी तो सरकार कहे की। चाहे भूख से किसी की मौत हुई हो या गर्मी से या ठंड से। लू लगने से अगर किसी की मौत हुई है तो इसे मानने में क्या दिक्कत है। लेकिन सरकार है कि मानती ही नहीं। अब लू किसी को सरकार ने तो लगाई नहीं है। न ही सरकार ने सूरज को जाकर कहा कि इस बार जरा ज्यादा तपो। फिर मानने में आखिर परेशानी क्या है? देखा जाए तो नौकरशाही का हमेशा से ही यही चरित्र रहा है। उसे हकीकत स्वीकारने में हमेशा दिक्कत रही है। ग़नीमत है लोकसभा चुनाव का अब आखिरी दौर ही बचा है, वरना पैतालीस- अड़तालीस डिग्री में कोई नेता प्रचार करने कभी फिर धम का राजनीत क भविष्य एवं इंडिया गठबंधन द्वारा उठाए गए मुद्दों में जनता के यकीन एवं भरोसे का चुनाव भी है। अतः सभी राजनीतिक प्रतिद्वंदीयों द्वारा आखिरी ओवर में अधिकतम सीट हासिल करने के लिए मारा-मारी मची हुई है। तो दूसरी तरफ, मोदी 3.0 ! की सभावनाओं को लेकर मीडिया दो फाड़ है। मीडिया के सभी रूपों पर बहसों का स्तर इस पार या उस पार खड़ा नजर आता है। जन सरोकारों तथा असल मुद्दों पर विमर्श करने की बजाय सभी राजनीतिक प्रतिद्वंदी एवं उनके समर्थक बुद्धिजीवी अपने अपने पक्ष में अवधारणा (परसेप्शन) बनाकर महीलबंदी बनाने में जुटे हुए हैं, जिसके चलते इनके कहे शब्दों के मायने ही बदल गए हैं और जनता के दिलों दिमांग में इन बहसों का स्तर शाब्दिक जुगाली करने जैसा हो गया है। ऐसे में संभावित चुनावी परिणामों को लेकर नित रोज कोई न बोल नया शिगूफा छोड़ रहा है। फिर इस शिगूफे पर बहस, बहस पर बहस, एक चैनल से दूसरे चैनल पर जारी हैं। कौन कितना सही है, इनके कहे की क्या प्रमाणिकता है, ये स्वयं भी नहीं जानते हैं। बहस-बहस के ये चतुर खिलाड़ी बिना किसी जिम्मेदारी व जवाबदेही के अपने अपने हिसाब से जनता को गुमराह करने में लगे हुए हैं। इन बहसों का जनता पर कितना असर होता है, अलग से एक विशेष अध्ययन एवं परीक्षण की मांग करता है। यह सर्वमान्य तथ्य है कि आज भी भारतीय जन

मानस में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता

जागे यऊर्जावान नौजवानों, भविष्य को मुट्ठी में कर लो



## संजीव ठाकुर

क ना डा ,  
इजरायल और अन्य पश्चिमी देश मानते हैं।  
विश्व में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं जहां भारत  
की युवा जनसंख्या ने अपना परचम ना  
फैलाया हो। इसीलिए नेपथ्य के परिदृश्य में  
यह आवाज सदैव बुलंद होती है कि युवा  
देश के युवा नागरिकों आगे बढ़ो दुनिया को  
मुट्ठी में कर लो, भविष्य हमेशा तुम्हारा है  
और रहेगा। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने  
या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत  
अथवा प्रयास और सकारात्मक सोच के  
साथ संयम एवं उच्च मनोबल की  
आवश्यकता होती है, तब जाकर ही  
राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र  
बन पाता है।  
हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास  
से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति  
सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव  
अग्रसर होते रहना चाहिए। आजादी के 75  
वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को  
बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 135  
करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा  
जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने  
वाले भविष्य में देश की बागडोर इहीं युवा  
हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी  
कहावत है कि इराशाओं पर आकाश टिका  
हुआ है और निसंदेह आशा, उम्मीद,  
संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक  
शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार  
चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं  
उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम  
सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ  
किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते हैं। फिर  
यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई  
दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में  
नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश में विकास  
की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो  
सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद  
करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही

सर्वोपरि है। मोदी जी की वागिमता पर निःसंदेह पार्टी को गर्व होना चाहिए और है भी। यही कारण है कि पूरी चुनावी चक्रव्यूह की रणनीति उनकी जिन्दगी से ज्यादा विस्तारित लोकप्रिय छवि को केंद्र में रख कर बुनी गई। मोदी है तो मुमकिन है कि भरोसा तथा मोदी की गरंटी चुनाव प्रचार के केंद्र में हैं। चुनावी समर की शुरूआत अबकी बार 400 सौ पार के महत्वाकांक्षी नारे के साथ की गई। 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को पाने के लिए 24 घंटे प्रयास करने तथा आने वाले पांच सालों में भ्रष्टाचारियों पर क्रान्तुर का डंडा जारी रखने जैसी घोषणाएं जनता में जगह पाने लगीं। प्रधानमंत्री एवं उनकी टीम अपने 10 वर्ष के शासन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर चुनाव को केन्द्रित करने की जगह, अचानक दूसरे मुद्दे उनकी चुनावी सभाओं में जगह पाने लग गए। ऐसा जानवद्वाकर किया गया, अनजाने में या फिर चुनावी रणनीति के हिस्से के तौर, स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है।

भाजपा कांग्रेस की पिच पर कब और कैसे खेलना शुरू हो गई, जनता एवं भाजपा के समर्थक समझ ही नहीं पाए। देखते देखते चुनावी बहसों का रुख

बदलने लगा। छाता चरण समाप्त होते होते कांटे की टक्कर जैसे शब्द विमर्श के केंद्र में आ गए। किसी तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचने से पहले प्रधानमंत्री तथा उनके स्टार प्रचारकों द्वारा समय समय पर विभिन्न चुनावी सभाओं में दिए कुछ चुनिंदा भाषणों एवं व्यक्तियों के अंशों पर एक नजर डालना प्रासंगिक हो जाता है। कांग्रेस पार्टी के न्यायपत्र/घोषणा पत्र जारी होने के बाद राजस्थान के झालबाड़ की चुनावी सभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि घुसपैठियों और ज्यादा बच्चे वालों को आपकी संपत्ति देगी कांग्रेस। शहरी नक्सली मानसिकता वाले लोग माताओं एवं बहनों का मंगलसूत्र भी नहीं छोड़ेंगे। आपकी संपत्ति छीनकर खास लोगों को बांटने की साजिश रच रही है कांग्रेस। मप्र। के धार में कहते हैं कि 400 सीटें चाहिए ताकि कांग्रेस राम मंदिर पर

Digitized by srujanika@gmail.com

बावरी ताला न लगा सके। एक अन्य जगह बोलते हैं कि जब तक मैं हूँ राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कोई नहीं पलट पाएगा। बनारस में गंगा की धारा के बीच दिए एक साक्षात्कार में स्पष्ट करते हैं कि सबका साथ, सबका विकास में उनका विश्वास रखते हैं। "मैं (मोदी जी) जिस दिन हिन्दू-मुसलमान करूँगा ना, उस दिन मैं सार्वजनिक जीवन में रहने योग्य नहीं रहूँगा। मैं हिन्दू मुसलमान नहीं करूँगा। मैं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री एक अन्य जगह पर बोलते हैं कि भाजपा कभी अत्यसंख्यकों के खिलाफ नहीं रही है। समय आ गया है कि जो लोग धर्म के आधार पर राजनीति करते हैं, उनका वर्दाफाश किया जाए। इसके ठीक विपरीत एक अन्य सभा में कहते हैं कि कंग्रेस दलितों आदिवासियों की आरक्षण को कम करके मुसलमानों को देना चाहती है। जब तक मोदी जिंदा है, धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देगा। एक अन्य सभा में वे बताते हैं कि ये आपके बैंक खाते बंद करा देंगे, उसका पैसा छीन लेंगे। मोदी ने हर गांव में बिजली पहुँचाई, यह आपके घर में बिजली कनेक्शन काट के फिर अंधेरा कर देंगे।

मोदी घर घर पानी पहुंचा रहा है। सपा कांग्रेस वाले आपके घर की पानी को टीटी भी खोलकर ले जाएंगे। वहाँ पाटिलपुत्र में बोलते हुए कहते हैं कि मोदी के लिए संविधान सर्वोपरि है। इंडी अलाएंस को अपने वोट बैंक की गुलामी करनी है तो करे, उन्हें वहाँ जाकर मुजरा भी करना है तो भी करे, मैं ऐससी ऐसटी, ओबीसी आरक्षण के साथ डटकर खड़ा हूँ खड़ा रहूँगा। वहाँ अमित शाह हैदराबाद की एक सभा में बोलते हैं कि यह चुनाव विकास के लिए वोट व जेहाद के लिए वोट की बीच है।

भारत महान के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के स्तर पर उनके परस्पर विरोधी बयानों तथा उनके कहे को जनता ने किस रूप में ग्रहण किया है, महत्वपूर्ण हो जाता है। उनके कुछ व्यक्तव्य निश्चित तौर पर

प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुकूल नहीं माने जा सकते हैं। खैर! इस पर अंतिम फैसला तो जनता को ही लेना है। स्पष्ट कर दें कि यहाँ पर पार्टीगत मतभेद तथा आर एस एस से जुड़े अंतर्निहित कारकों को शामिल नहीं किया गया है। अस्थिर बयानों के मध्य जनता को यह समझना नितांत कठिन हो गया कि इस चुनाव में उनके बोट माँगने का असल आधार किया है? अपनी दस वर्षीय उपलब्धियों तथा सामाजिक न्याय, आर्थिक- असमानता, बेरोजगारी, जातीय जनगणना, अग्निवीर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की सचेत उपेक्षा ने जनता के साथ साथ उनके समर्थकों को भी चौंकाया है। जनता का एक बड़ा वर्ग उनके कहे का शब्दार्थ समझे, भावार्थ, लक्षितार्थ, निहितार्थ या फिर गूणार्थ समझे, तय नहीं कर पाया, क्योंकि राजनीतिक भाषा में शब्दों का खेल पकड़ना भी एक कला है। दूसरे अर्थों में राजनीति में दो और दो, चार कभी नहीं होते हैं। जिसके चलते वे असमंजस में रहे, परिणामतः मतदान प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गयी। यहीं वे प्रमुख कारक हैं जो मोदी 3.0 ! की संभावनाओं व तकदीर तय करेंगे।

सत्ता पक्ष व विपक्ष की चुनावी सभाओं में आ रही भीड़ के अंदाज एवं तेवरों को देखकर यह अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है कि वर्तमान चुनावी स्थितियाँ एवं परिस्थितियाँ पिछले दो लोकसभा सभा चुनावों से भिन्न हैं। यही भिन्नता भाजपा की संभावनाओं को धूमिल कर चिंता का कारण बन एक बड़ी चुनाती के रूप में सामने आ सकती है। यदि जनता एवं भाजपा के समर्थकों ने मोदी जी के सन्देश के असली मर्म को समझ कर एक रणनीतिक व्यूह रचना के अंतर्गत मतदान किया है, तो मोदी 3.0 ! की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण मतदान के प्रति मतदाताओं की सुस्ती व उदासीनता क्या गुल खिलाएगी चार जून को ही पता लगेगा, तब तक सिर्फ और सिर्फ अनुमान ही लगाया जा सकता है।

प्रचंड गर्मी में ठंडक देता 'मिट्टी का घड़ा'



प्रियंका सौरभ

झे याद है आज से 20-25 साल पहले जब हम गेटे हुआ करते थे उम्र यही कोई पांच 7 साल के गासपास, तब घरों में फ्रिज बहुत ही दुर्लभ चीज आ करती थी। जिसके घर में फ्रिज होता था हम से बहुत अमीर आदमी मानते थे। हमारे घर में फ्रिज नहीं था तो हमें यह लगता था कि हम बहुत अरेब हैं। उस समय फ्रिज की आइसक्रीम खाने के लिए पूरा मोहल्ला किसी एक ही घर परिवार पर आश्रित रहता था। लेकिन ठंडा पानी पीने के लिए लगभग सभी घरों में घड़े हुआ करते थे। और आज घरों में फ्रिज है तो मैं उन दिनों को याद करता हूँ ते थे और एक छोटी सी सुराही भी अपने साथ गर रात में पानी पीने की जरूरत हो तो उस सुराही सकें।

पानी पीना सब को अच्छा लगता है। परंतु फ्रिज देर के लिए तो हमें ठंडक मिलती है लेकिन बाद प्यास लगती है और यह गर्मी भी प्रदान करता है। जो प्यास बुझता है उसका मुकाबला फ्रिज के जा सकता। मटके का पानी कई बीमारियों को दूर करती ओर फ्रिज का पानी कई बीमारियों को जन्म मिट्टी से बना हुआ होता है। इसलिए मटके का ए बहुत ही अच्छा होता है। मटके का पानी पीने से नहीं लगती है जबकि फ्रिज का पानी पीने से पानी पीने का मन करता है। फ्रिज का पानी चाहे न पी लो परंतु प्यास बुझती ही नहीं है। मटके का ग्रीग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। मटके का पानी नहीं बनती है और पाचन संबंधी समस्याएं भी दूर बढ़ी बात मटके का पानी पीने से हमारे मटके ने रोजगार मिलता है।

नीं बाहरी तापमान के अनुसार ही ठंडा रहता है। मैं गर्मी ज्यादा है तो मिट्टी के घड़े का पानी ज्यादा र बाहरी तापमान थोड़ा कम गर्म है तो पानी भी मैं मिट्टी के घड़े में रखा पानी हमेशा शरीर के ही ठंडा रहता था और यही कारण है कि मिट्टी के कभी भी नुकसान नहीं करता जबकि फ्रिज से पीने से सर्दी जुकाम की संभावना बनी रहती है। रखने से मिट्टी में उपस्थित बहुत से खनिज तत्व जाते हैं और जब हम उस पानी को पीते हैं तो वह शरीर में पहुंचकर हमारे शरीर को पोषित करते हैं। कि मिट्टी में लगभग 80 प्रकार के खनिज तत्व जूद होते हैं। इन तत्वों में बहुत सारे तत्व हमारे ही फायदेमंद हैं। आज लोग फ्रिज का पानी पी रहे अनरल सप्लीमेंट भी ले रहे हैं। जबकि पहले किसी लेने की जरूरत नहीं होती थी। मिट्टी के घड़े नीं में मिट्टी की सौंधी खुशबू समा जाती थी। जब ते थे तो प्यास बुझने के साथ ही हमें एक संतुष्टि फ्रिज का पानी पीने से ना तो प्यास ही बुझ पाती मिलती है। मिट्टी का घड़ा हर साल बदला जाता सीजन में दो या तीन घरों की जरूरत पड़ती थी। कों को परे साल भर रोजगार मिला रहता था। आज

# आभी भी हैं ऐसे गाँव



2000

जा. सुश्राव कुमार चुप्पी अब खाली गलियों  
में गूंजती है। यहां तो छाया भी हमें छोड़ चुकी  
है। हमारे गाँव में जीवन एक म्यूजिकल चेयर  
के खेल की तरह है, जिसमें आशा को हराकर  
हर बार निराशा ही जीत जाती है। गाँव में रहना  
ऐसा है जैसे आप किसी अंतहीन नाटक में  
मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और त्रासदी यह है  
जिसमें कोई कर्मशियल ब्रेक नहीं है। पड़ेसियों  
की फुसफुसाहट और बूढ़ों की आहें इस नाटक  
को खोलती हैं, जो अपने बरामदों में बैठकर  
हंसते और आशाओं से भरे दिनों की यादें ताजा  
करते हैं। यह इतना छोटा है कि जनगणना  
करने वाला हमें खोजने के लिए मैगिनफाइंग

का उपयोग करता है, लेकिन अब वह अना बंद कर चुका है। मैं रहने वालों के दिन का मुख्य आकर्षण का चरना देखना है। ऐसे पलों की सादगी भी खुशी दी थी, लेकिन अब यह केवल दिलाता है कि हम किस जीवन से वंचित हमारे गाँव में, केवल एक चीज जो तत्वारों से तेज बढ़ती है, वह है गपशप। नहानियाँ हम बुनते हैं वे धांग हैं जो हमें नह से टूटने से रोकती हैं। आपने सच्चे का अनुभव तब तक नहीं किया है जब आपने बिना वाई-फाई वाले गाँव में जीवन बिताया है। बाहरी दुनिया से एकदम कटा है, और अकेलापन गहरा है। हमारे गाँव केवल एक चीज जो हवा से तेज यात्रा है, वह है मज़ेदार गपशप। लेकिन अब भी मोहकता खत्म हो चुकी है क्योंकि नये दोहराई जाने लगी हैं।

ऐसा है जैसे आप एक समय यात्रा  
जहां प्रगति केवल एक दूर का  
गाँव इतना दूर है कि यहां तक  
स भी हमें खोजने की कोशिश  
दुनिया आगे बढ़ चुकी है, हमें  
ए केवल मौसम बदलते हैं। हमारे  
योग्य नाई कस्बे के थेरेपिस्ट की भी  
ताता है। उसकी कुर्सी ने बाल  
वादा आँखों देखे हैं। वह धैर्यपूर्वक  
प्रति सांत्वना और सलाह के शब्द  
का बेटा शहर गया है तो किसी  
उन्हें झूटा ढांदस बंधात है कि  
दीपावली को लौटेंगे। सारे त्यौहार  
दलते हैं, हकीकत में कुछ नहीं  
गाँव में जीवन ऐसा है जैसे एक  
विवेरियम में रहना, जहां हर कोई  
प्रौद्योगिकी को साफ करना  
।







## 1 जून से शुरू होंगी इंटर कक्षाएं

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में दसवीं कक्षा की प्रीक्षा प्राप्त करने वाले जारी हो गई हैं। कुछ दिनों में, ये छात्र जनियर कालेजों में कदम रखते ही अपनी शैक्षणिक यात्रा के एक नए अध्याय की शुरूआत करेंगे। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटर्मीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआई) द्वारा घोषित शैक्षणिक केंद्रों के अनुसार, सभी जनियर कालेज शैक्षणिक वर्ष 2024-25 1 जून से शुरू करेंगे।

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में दसवीं कक्षा की प्रीक्षा प्राप्त करने वाले जारी हो गई हैं। कुछ दिनों में, ये छात्र जनियर कालेजों में कदम रखते ही अपनी शैक्षणिक यात्रा के एक नए अध्याय की शुरूआत करेंगे। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटर्मीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआई) द्वारा घोषित शैक्षणिक केंद्रों के अनुसार, सभी जनियर कालेज शैक्षणिक वर्ष 2024-25 1 जून से शुरू करेंगे।

## एनएमडीसी का उत्पादन 45 मिलियन टन पर



हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े लौह अस्यक उत्पादन का एनएमडीसी ने सम्मिलन को वित्त वर्ष 24 के परिणाम घोषित किए। वित्त वर्ष 24 में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज करते हुए कंपनी ने लौह अस्यक को अनुमोदन किया और 44.48 मिलियन टन विक्री की। वित्त वर्ष 23 की तुलना में 10% की वृद्धि और किंवदं वित्त वर्ष 24 का असाधारण व्यवहार की इसी अवधि में, 1,237 करोड़ (निगरानी समिति तथा एनएमडीसी अस्यक मंडल की विक्री की सम्मिलन) 27 मई, 2024 को सम्पन्न कंपनी की निदेशक मंडल की बैठक में किया गया।

अपित्रम भुखीजों ने कहा कि 45 एमटी का आंकड़ा पार करने की हायरी उत्तमत्व भारतीय खनन उद्योग में एक ऐतिहासिक क्षण है। राष्ट्र के विकास को बढ़ावा देने और महावर्षपूर्ण उद्योगों को मंदों के बाट पीछी होने में मात्र 5% की वृद्धि है।

कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) वित्त वर्ष 24 में रु. 5,632 करोड़ रहा, जो कि वित्त वर्ष 23 के 5,529 करोड़ पर 2% की वृद्धि है। सार्वजनिक क्षेत्र की नवरन्त कंपनी ने वित्त वर्ष 24 में अपने शेयर धारकों को 100% को दसर एवं अंतिम लाभांश घोषित किया, जो कि आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयर धारकों के अनुमोदन के



वीर सावरकर दामोदर की 141वीं जन्मसिथि पर काचीपुडा चौराहा पर गोविंद राठी, जियर स्वामी, शैलेन्ड्र यादव, मलिकार्जुन, परमेश्वरी, पद्माकर दीक्षित आदि ने श्रद्धांजली अर्पित की।



पाइपलाइन लीकेज के कारण लोग दूषित पानी पीने को मजबूर

आसिफाबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद के नूर नार कस्बे में पाइप लाइन लीकेज के कारण मिशन भगीरथ सप्लाई का पानी बर्बाद हो रहा है। व्यानिक लोगों का बाहर है कि ताजा पानी पीने के बजाए अपने वाला दूषित पानी पी रहे हैं। पाइपलाइन की मरम्मत के लिए आसिफाबाद नगर पालिका में कितनी बार शिकायत दी गई है। लेकिन नगर आयुक्त



कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

कोड जबाब नहीं दे रहे हैं।

इसी तरह, प्रश्न भगीरथ प्रबंधन और इंजीनियरिंग विभाग में भी संपर्क किया गया था लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उनकी ओर

## रोहित शर्मा का 29वां छक्का होगा बड़ा कीमती क्या है भारतीय कप्तान से जुड़ा ये मामला?

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप में जीत का इरादा लिए रोहित शर्मा अमेरिका पहुंच चुके हैं। अपने इरादे को परवान चढ़ाने के लिए रोहित शर्मा के सामने दो रास्ते हैं। एक खुद शानदार प्रदर्शन करना और दूसरा टीम को बेहतर ढंग से लौट करते हुए होके खिलाड़ी से उसका बेस्ट निकलना। इस डबल रोल को निभाने के अलावा रोहित शर्मा के सामने एक तीसरी चुनौती भी होगी। और, ये होगी 29वां छक्का लगाने की। अब आप सोच रहे होगे कि भारतीय कप्तान से जुड़ा ये मामला क्या है? तो इसके तार जाकर जुड़ते ही टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में लगे सर्वाधिक छक्के से।

रोहित शर्मा आईपीएल 2024 में खेलकर T20 वर्ल्ड कप के लिए अमेरिका गए हैं। आईपीएल 2024 उड़ाने उड़ाने अपने सफर का अंत 23 छक्कों के साथ किया



है, लेकिन, टी20 वर्ल्ड कप में रोहित को 23 छक्के नहीं बल्कि 29वां छक्का लगाते हैं तो विराट कोहली के बाद आईसीसी के इस डब्ल्यूटैट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे।

रोहित अगर ऐसा करते हैं मतलब 29 छक्के लगाते हैं तो विराट कोहली के बाद आईसीसी के इस डब्ल्यूटैट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

गेल से 29 छक्केदूर रोहित

शर्मा

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में अभी सर्वाधिक छक्के लगाने का अंत 23 छक्कों के साथ किया

रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 33 मैचों की 31 पारियों में 63 छक्के लगाए हैं। रोहित शर्मा इस लिस्ट में 29 छक्के का बाद हूंसर नंबर पर है। रोहित के 39 मैचों की 36 पारियों के बाद 35 छक्के हैं। मतलब वो पूरे 29 छक्के क्रिस गेल से दूर है।

29वां छक्का होगा बड़ा कीमती! अब अगर रोहित शर्मा टी20

वर्ल्ड कप 2024 में 29 छक्के लगाते हैं तो यनिवर्स बॉस क्रिस गेल का रिकॉर्ड टोड़ देंगे। मतलब टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे।

रोहित अगर ऐसा करते हैं मतलब 29 छक्के लगाते हैं तो विराट कोहली के बाद आईसीसी के इस डब्ल्यूटैट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन सकते हैं।

रेस में रोहित के साथ बटलर भी हैं

क्रिस गेल तो अब इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हो चके हैं। ऐसे में 29 छक्के के पासले के उन्हें बस मिटाना है, वो बढ़ेगा नहीं। इस रेस में रोहित शर्मा को हालांकि इंडियन्डे के जोस बटलर से मिलती दिख सकती है। बटलर के नाम 27 मैच की 27 पारियों में 33 छक्के दर्ज हैं और वो रोहित के ठीक पीछे हैं।

जिसे मैटेन करने की जरूरत ही

## क्रिकेट का पहला मॉड्युलर स्टेडियम जहां होगा भारत-पाक मैच ऑस्ट्रेलिया में पिच बनी, फॉर्मूला-1 का स्टैड लगाया

समय मिला। इसलिए डॉप-इन पिच को ऑस्ट्रेलिया में बनाकर अमेरिका पहुंचाया गया।

पिच को एडिलेड ओवल टर्फ सॉल्यूशन कम्पनी ने अमेरिका की ही द लैंडटेक कम्पनी के साथ बनाया।

न्यूयॉर्क के नसाट स्टेडियम की पिच को फॉरिंडा में बनाया गया। इसकी मिट्टी और स्ट्रक्चर को ऑस्ट्रेलिया से लेकर आए टी-20 वर्ल्ड कप में लगाते दूसरी बार डॉप-इन पिच का इस्तेमाल होगा। ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड ओवल मैदान पर इंटरनेशनल बार डॉप-इन पिच का इस्तेमाल होगा। अंटर्टेलिया के एडिलेड ओवल मैदान पर इंटरनेशनल बार डॉप-इन पिच का इस्तेमाल होगा। यहां 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में चुनौती देंगे।

न्यूयॉर्क में कई सालों में फॉरिंडा से न्यूयॉर्क पहुंचाने में 1-2 स्पोर्ट्स पर्किंगटीजी ही होती है। इसके लिए 30 टन से ज्यादा वर्कलॉड उठाने वाले ट्रक और कंटेनर का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान आम जनत के लिए सड़क को मैटेन करने में कम पैसा लगता है। यहां 2015 वर्ल्ड कप के मैच में चुनौती देंगे।

डॉप-इन पिच का इस्तेमाल 10 पिच को सड़क के रस्ते



नहीं। जिन शहरों में कई सालों में कीरीब 4 दिन का समय लगा है। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरूआत 2 जन को अमेरिका और वैस्टइंडीज में होने जा रही है। 21 मई को... प्लॉरिंडा से न्यूयॉर्क पहुंचाने में 1-2 स्पोर्ट्स पर्किंगटीजी ही होती है। इसके लिए 30 टन से ज्यादा वर्कलॉड उठाने वाले ट्रक और कंटेनर का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान आम जनत के लिए सड़क को मैटेन करने में कम पैसा लगता है। यहां 2015 वर्ल्ड कप के मैच में चुनौती देंगे।

डॉप-इन पिच का इस्तेमाल होने के लिए बोर्ड को बहुत कम

## पेरिस ओलंपिक उद्घाटन समारोह में पारंपरिक पोशाक में नजर आए भारतीय एथलीट, बिखरेगी तिरंगे की छटा

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। अब भारतीय टीम अमेरिका के बाल्किन लगाने के लिए इंटरनेशनल बार डॉप-इन पिच के लिए एथलीट्स के बाल्किन लगाने के लिए आयोडीलैंड और वैस्टइंडीज की चुनौती होगी।

मजबूत किया है। पुरुष डबल्स में विश्व में नंबर एक सानिक और चिराग के सामने डेनार्मार्क के डेनियल लुंदगार्ड और मैटेस वैस्टरगार्ड की चुनौती होगी। लक्ष्य और प्रणय पिंगपांग में लगातार दो सेमीफाइनल में जारी रहा। बाकार ओलंपिक विवाहीकरण में प्रवेश किया था। यह युवा खिलाड़ी ब्रेक के बाद आ रहा है और पुरुष सिंगल्स में उसका समान दुनिया के नंबर एक विवाही डब्ल्यूटैट से होगा। एक्सेसलेसन का हौसला रविवार को मलेशिया मास्टर्स चैम्पियन बनने के बाद काफी बढ़ा हुआ होगा।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी में शिंगापुर के लिए एथलीट्स के बाल्किन लगाने के लिए आयोडीलैंड और वैस्टइंडीज की चुनौती होगी। लाइंगलैंड और वैस्टरगार्ड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

थोड़ी बदली की चुनौती होती है। दैनिक जारीगण से बातचीत में रिकूंसिंग के बाद भी जब आपका कंटेनर के बाद भी जब आपका कंटेनर के बाद भी जब आपका कंटेनर के बाद भी होता है तो थोड़ी बदली की चुनौती होती है। टीम एथलीट्स के बाल्किन लगाने के लिए अच्छा क्रिकेट के बाद भी होता है। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

सोनी नदी के उत्तर पर होने वाले आलावा ओलंपिक की तैयारियां शुरू होंगी। यहां न्यूयॉर्क समारोह गिर, रिकूंसिंग, खिलाड़ीलॉड और हामद आयोडीलैंड की चुनौती होगी।

</

